ब्रह्म ज्ञान भारत

G-50

हमें ब्रह्म ज्ञान भारत के ज्ञान प्राप्ति और प्रसार के लिए प्रयास करने के साथ साथ इस गरिमामय यात्रा का नेतृत्व करना होगा।

"जय ब्रह्म ज्ञान भारत"

ब्रह्म ज्ञान भारत के शपथ (प्रतिज्ञा)

1. मैं आज से क्रियावान बन रहा हूँ।

2. आज से मैं त्रिकरण शुद्धि के साथ क्रिया योग ध्यान का अभ्यास करूंगा।

3. अभी से, मैं मद्यपान और मांसाहार का सेवन से दूर रहूँगा।

4. मैं अपनी पत्नी को छोड़कर सभी महिलाओं को बहन मानता हूं। मैं अपने पति को छोड़कर सभी पुरुषों को भाई मानती हूँ। मैं सभी के साथ भाईचारा बनाए रखूंगा।

5. मैं दृढ़ नैतिकता और सत्य–निष्ठा से अपनी दायित्वों का पालन करूंगा और व्यक्तिगत दायित्व के रूप में समाज की सेवा करूंगा।

6. मैं अपने माता–पिता का जीवंत भगवान के रूप में सम्मान करूंगा और उनकी सेवा करूंगा।

7. आज से, मैं ईश्वर की निंदा नहीं करूंगा तथा किसी भी प्रकार की गुरु निन्दा से दूर रहूंगा और आध्यात्मिक रूप से दायित्ववान रहूंगा।

8. पर्यावरण संरक्षण और महिलाओं के प्रति सम्मान को मैं अपना प्राथमिक दायित्व के रूप में स्वीकार करता हूँ।

9. अभी से, मैं अपने धर्म का पालन करूंगा, दूसरों के धर्म और परंपराओं का सम्मान करूंगा, जाति, रंग, क्षेत्र या प्रांत या लिंग के आधार पर भेदभाव किए बिना अपने देश के प्रति प्रतिबद्ध रहूंगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बनूंगा।

10. मैं सभी को भारतवर्ष की महानता और G-50 के महत्वाकांक्षाओं और लक्ष्यों के बारे में समझाऊंगा।

श्री क्रिया योगा मेडिटेशन सेंटर, गोविंदयापल्ली

www.kriyayogaashram.com

संपर्क: 9951576619

ब्रह्म ज्ञान भारत

G-50

हमें ब्रह्म ज्ञान भारत के ज्ञान प्राप्ति और प्रसार के लिए प्रयास करने के साथ साथ इस गरिमामय यात्रा का नेतृत्व करना होगा।

"जय ब्रह्म ज्ञान भारत"

ब्रह्म ज्ञान भारत के लक्ष्य (AIMS & GOALS)

1. क्रिया योग के द्वारा मानसिक और शारीरिक व्याधियों पर विजय प्राप्त करना और आध्या. त्मिक विकास।

2. खान–पान की आदतों, दिनचर्या, समय प्रबंधन और व्यक्तित्व विकास के बारे में जाग. रूकता पैदा करना।

3. परिवार व्यवस्था, माता–पिता के प्रति सम्मान, गुरुजनों के प्रति आदर, और बुजुर्गों और महिलाओं का आदर–सम्मान करके भावी पीढ़ियों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करना।

4. प्रत्येक कार्य में अपना देश और अपनी जनमभूमि भारत की सेवा का दायित्व को अपना पूर्व दायित्व के रूप में स्वीकार करना और इस बारे में लोगों में जागरूकता फैलाना और प्रत्येक नागरिक को देशभक्त बनने के लिए प्रेरित करना।

5. सही और योग्य गुरु का चयन कैसे करे, झूठी मान्यताओं या अंधविश्वासों का त्याग कैसे करे, और कैसे परमात्मा तक पहुंचे इस पर मार्गदर्शन करना।

6. जनता को क्रिया योग के महत्व के बारे में समझाना और सरकारों की सहायता से इसे पाठयक्रम में एक विषय के रूप में शामिल करने की दिशा में काम करना।

7. **CYBER CRIMES** या साइबर अपराध के बारे में जनता को जागरूक करना।

8. ब्रह्म ज्ञान भारत की स्थापना के लिए एक करोड़ हस्ताक्षर एकत्रित करना तथा ब्रह्म ज्ञान भारत के सदस्य बनने के बारे में जागरूकता फैलाना।

9. भारतीय वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और प्रौद्योगिक ज्ञान के सार्वभौमिकरण यानी प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना और वैश्विक प्रसार और संरक्षण के लिए जागरूकता पैदा करना।

10. पर्यावरण संरक्षण तथा वायु प्रदूषण की रोकथाम की पहल के रूप में नदियों की सुरक्षा तथा वृक्षारोपण करके जलवायु संतुलन की दिशा में काम करना।

श्री क्रिया योगा मेडिटेशन सेंटर, गोविंदयापल्ली

www.kriyayogaashram.com

संपर्क: 9951576619